भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3947 का उत्तर

तीव्र गति रेलगाड़ियां

3947. श्री पुष्पेंद्र सरोज:
एडवोकेट प्रिया सरोज:
श्री उत्कर्ष वर्मा मधुर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में वर्तमान में परिचालित हो रही डेडिकेटिड हाई-स्पीड रेल (200 किमी/घंटा और उससे अधिक) के कुल मार्ग किलोमीटर का ब्यौरा क्या है और मुंबई-अहमदाबाद गलियारे सहित स्वीकृत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) चीन और प्रमुख यूरोपीय देशों जैसे देशों की तुलना में देश में परिचालित हाई-स्पीड रेल नेटवर्क की लंबाई और डेडिकेटिड हाई-स्पीड गलियारे के मार्ग किलोमीटर के संदर्भ में तुलनात्मक स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ग) बार-बार की गई घोषणाओं के बावजूद राष्ट्रव्यापी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विकास में भारत की सीमित प्रगति के लिए मंत्रालय की समीक्षाओं में दर्ज किए गए कारणों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उन्नत पारंपरिक रेलपथों पर वंदे भारत जैसी सेमी-हाई-स्पीड गति वाली रेलगाड़ियों की शुरुआत को डेडिकेटिड हाई स्पीड अवसंरचना का विकल्प माना जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) भारत में प्रतिस्पर्धी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क स्थापित करने के लिए प्रस्तावित ठोस रूपरेखा, वित्तीय परिव्यय और समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) निष्पादनाधीन है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी,

बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशन बनाने की योजना है। यह एकमात्र ऐसा कॉरिडोर है जो 350 किमी/घंटा की गति से रेलगाड़ी परिचालन में सक्षम है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 उपयोगिताएँ स्थानांतरित कर दी गई हैं। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित हुई। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पाया	452 कि.मी.
गर्डर	356 कि.मी.
ट्रैक बैड	209 कि.मी.
ओएचई मास्ट	190 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव और संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग और रेलपथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव और संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरूच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है। सूरत, बिलिमोरा और भरूच पर भी रेलपथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिया गया है।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव का कार्य लगभग पूरा हो गया है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर कार्य की प्रगति इस प्रकार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उपसंरचना का कार्य पूरा कर लिया गया है, अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। मोहर नदी पर रेलपथ का कार्य पूरा कर लिया गया है और ओएचई कार्य शुरू कर दिया गया है। वात्रक नदी पर रेलपथ का कार्य प्रगति पर है।
3	वात्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है। पीयर कार्य और गर्डर लांचिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 24 में से 6 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	13 में से 09 पीयर कैप का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। रेलपथ और विद्युतीकरण का कार्य शुरू किया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	

16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	उपसंरचना का कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	17 पाइल कैप और 15 पीयर (58 में से) पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी ब्रांच (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए अस्थाई पहुंच पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्री सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

सूरत-वापी खंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं और 86% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने, क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और सड़क तथा हवाई परिवहन से रेल में मोडाल शिफ्ट को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) गलियारों के विकास की घोषणा की है:-

i. मुंबई-पुणे
ii. पुणे-हैदराबाद
iii. हैदराबाद-बेंगलुरु

iv. हैदराबाद-चेन्नै

v. चेन्नै-बेंगलुरु

vi. दिल्ली-वाराणसी

vii. वाराणसी-सिलीगुड़ी

बजट घोषणा के पश्चात, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में लागत अद्यतन, संरेखण को अंतिम रूप देने और भूमि सर्वेक्षण आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है। शामिल किए गए स्टेशनों/शहरों, निवेश, मार्ग की लंबाई, आदि का ब्यौरा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही निश्चित किया जा सकता है। हाई स्पीड रेल परियोजनाएं बेहतर संपर्कता के माध्यम से अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देती हैं, जिससे जुड़े हुए शहरों और राज्यों को लाभ होता है।

राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल नेटवर्क के विकास के साथ, चीन और यूरोपीय देशों की तरह, अंतर्राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल मानचित्र पर भारत की एक स्पष्ट मौजूदगी होगी। बहरहाल, अत्यधिक पूंजी साध्य होने के कारण, किसी भी एचएसआर कॉरिडोर/परियोजना को स्वीकृति देने का निर्णय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और वित्तपोषण विकल्प आदि जैसे संसाधनों की उपलब्धता जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है।

अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाई स्पीड परियोजना:

धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, एक प्रमुख ग्रीनफील्ड औद्योगिक केंद्र को सेमी-हाई-स्पीड कॉरिडोर के माध्यम से राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से रेल संपर्कता प्रदान करने के लिए, हाल ही में ₹20,667 करोड़ की लागत से अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाई स्पीड दोहरी लाइन परियोजना (134 किमी) को स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना भारत में इस प्रकार की पहली परियोजना है, जो स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके भारतीय बड़ी लाइन पर सेमी-हाई-स्पीड रेल संपर्कता प्रदान करती है, जिसकी डिज़ाइन गति 220 किमी/घंटा है। इस परियोजना में निम्नलिखित शामिल हैं:

- लगभग 613 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण।
- 6 विशाल पुलों का निर्माण।
- 70 बड़े पुलों का निर्माण।
- 8 स्टेशन भवनों का निर्माण।

इसके अतिरिक्त, यह परियोजना लोथल नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स और धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को रेल संपर्कता भी प्रदान करेगी। इससे सुगमता और निर्बाध परिवहन बढ़ेगा तथा यह क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करेगा।

******